BACHELOR OF ARTS

(Three Year Degree Course)

Syllabus

PRAKRIT SAHITYA

(Yearly Examination scheme)

B. A. I, Year -2012-13

B. A. II Year -2013-14

B. A. III Year -2014-15 Onward

FACULTY OF HUMANITIES

MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSTIY:

UDAIPUR

बी. ए. प्रथम वर्ष प्राकृत साहित्य
(सामान्य निर्देश)

अ. प्राकृत शिक्षण का माध्यम हिन्दी है। अतः प्रश्न–पत्र हिन्दी में पूछें जायेंगे। परीक्षार्थी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा अंग्रेजी में लिख सकेंगे।

ब. प्रत्येक इकाई में से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।

स. प्रश्नों का आन्तरिक विकल्प नई परीक्षा प्रणाली के अनुसार होगा।

द. बी. ए. प्रथम वर्ष में प्राकृत साहित्य में 75–75 अंकों के 3–3 घंटे के दो प्रश्नपत्र होंगे तथा 25–25 अंक प्रत्येक प्रश्न–पत्र में आन्तरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं। परीक्षा प्रश्न–पत्र निम्नांकित दो खण्डों में विभक्त होगा–

खण्ड अ

इस भाग में 45 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। ये प्रश्न विकल्प सहित होंगे।

(45 x1 = 45 अंक)

खण्ड ब

इस भाग में पाँच विवेचनात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से दिये जायेंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर परीक्षार्थी को देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300–400 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। इन प्रश्नों में एक प्रश्न के दो भाग भी हो सकते हैं।

(10 x3 = 30 अंक)

बी. ए. प्रथम वर्ष : प्राकृत साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र
प्राकृत काव्य एवं व्याकरण

75 अंक

इकाई एक – प्राकृत महाकाव्य 15 अंक

लीलावईकहा (कोऊहल) 1–50 गाथाएँ सम्पा. – डॉ. ए. एन.उपाध्ये (2 गाथा 7.5–7.5 अंकों की पूछना)

इकाई दो – प्राकृत कथाकाव्य 15 अंक

1. णाणपंचमीकहा (महेश्वरसूरी) के अन्तर्गत भविस्सदत्तकव्वं (गाथा 1 से 60)

सम्पा. डॉ. राजाराम जैन, में से (2 गाथा 7.5–7.5 अंकों की पूछना)

इकाई तीन – प्राकृत साहित्य 15 अंक

प्राकृत काव्य साहित्य का संक्षिप्त परिचय तथा पठित ग्रन्थों पर सामान्य प्रश्न

इकाई चार – प्राकृत व्याकरण 15 अंक

संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया एवं कृदन्त के सामान्य नियम एवं प्रयोग।

सन्दर्भ पुस्तक :– प्राकृत स्वयं शिक्षक, खण्ड–1, (पाठ 1–60 तक) सम्पा. डॉ. प्रेम सुमन जैन

परीक्षा में प्राकृत व्याकरण पर प्रश्नों के अंकों का निम्न प्रकार विभाजन होगा–

(1) संज्ञा रूप एवं	(2) सर्वनाम रूप	7.5 अंक
(3) क्रियारूप एवं	(4) कृदन्त रूप	7.5 अंक

इकाई पाँच – प्राकृत अनुवाद रचना 15 अंक

(1) प्राकृत से हिन्दी एवं हिन्दी से प्राकृत में सभी विभक्तियों के सरल वाव्यों में अनुवाद एवं रचना करने का ज्ञान। सन्दर्भ पुस्तक :– प्राकृत स्वयं शिक्षक, खण्ड–1 (पाठ 23 से 63 तक)

(2) निर्धारित पाठों में से वाक्य देकर उनके हिन्दी एवं प्राकृत अनुवाद पूछना अपेक्षित है–

हिन्दी अनुवाद – 7.5 अंक

प्राकृत अनुवाद – 7.5 अंक

सहायक पुस्तकें :–

1. प्राकृत साहित्य का इतिहास – डॉ. जगदीशचन्द जैन
2. भविस्सदत्तकव्वं – सं डॉ. राजाराम जैन, आरा, 1985
3. प्राकृत मार्गोपदेशिका – पं. बेचरदास दोशी, दिल्ली
4. प्राकृत काव्यमंजरी – डॉ. प्रेम सुमन जैन, जयपुर 1982
5. प्राकृत भारती – आगम संस्थान, उदयपुर, 1991

बी. ए. प्रथम वर्ष : प्राकृत साहित्य

द्वितीय प्रश्नपत्र
प्राकृत कथा एवं चरित

75अंक

(क) प्राकृत कथा

इकाई एक – 15 अंक

1. आरामसोहाकहा (संघतिलकगणि), सम्पा– डॉ. राजाराम जैन (गाथा–21 तक के गद्यांश, अनुच्छेद 1 से 44 तक)

इकाई दो – 15 अंक

2. चउपनमहापुरिसचरियं (सीलंकाचार्य) में से मुणिचंदकहाणयं (1से 20 पैराग्राफ),सम्पा. डॉ. के. आर. चन्द्रा, हमदाबाद

(ख) प्राकृत चरित

इकाई तीन – 15 अंक

कुम्मापुत्तचरियं (अनन्तहंस) सम्पा. के. बी. अभ्यंकर (गाथा 1 से 112) चार गाथाएँ पूछना।

इकाई चार – 15अंक

प्राकृत साहित्य एवं लोक कथा –

1. कथा एवं चरित साहित्य का संक्षिप्त परिचय एवं सामान्य प्रश्न
2. लोककथा – अगडदत्तचरियं (देवेन्द्रगणि) सम्पा. डॉ. राजाराम जैन (गाथा 1–60 तक)

इकाई पाँच – पठित ग्रन्थों की समीक्षा 15 अंक

इस प्रश्नपत्र में निर्धारित ग्रन्थों की विषयवस्तु, विशेषताओं, चरित्र–चित्रण एवं कवि आदि पर सामान्य प्रश्न।

सहायक पुस्तकें :–

1. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ. नेमिचन्द शास्त्री
2. आरामसोहाकहा – सम्पा. राजाराम जैन, आरा, 1989
3. अगडदत्तचरियं – सम्पा. राजाराम जैन, आरा
4. मुणिचन्दकहाणयं – सम्पा. डॉ. के. आर. चन्द्रा, प्रकाशक– भारत प्रकाशन, अहमदाबाद
5. प्राकृत भारती – आगम संस्थान, उदयपुर, 1991

बी. ए. द्वितीय वर्ष : प्राकृत साहित्य
(सामान्य निर्देश)

अ. प्राकृत शिक्षण का माध्यम हिन्दी है। अतः प्रश्न–पत्र हिन्दी में पूछें जायेंगे। परीक्षार्थी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा अंग्रेजी में लिख सकेंगे।

ब. प्रत्येक इकाई में से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।

स. प्रश्नों का आन्तरिक विकल्प नई परीक्षा प्रणाली के अनुसार होगा।

द. बी. ए. द्वितीय वर्ष में प्राकृत साहित्य में 75–75 अंकों के 3–3 घंटे के दो प्रश्नपत्र होंगे तथा 25–25 अंक प्रत्येक प्रश्न–पत्र में आन्तरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं। परीक्षा प्रश्न–पत्र निम्नांकित दो खण्डों में विभक्त होगा–

खण्ड अ

इस भाग में 45 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। ये प्रश्न विकल्प सहित होंगे।

(45 x1 = 45 अंक)

खण्ड ब

इस भाग में पाँच विवेचनात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से दिये जायेंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर परीक्षार्थी को देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300–400 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। इन प्रश्नों में एक प्रश्न के दो भाग भी हो सकते हैं।

(10 x3 = 30 अंक)

बी. ए. द्वितीय वर्ष प्राकृत साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र

आगम साहित्य, शिलालेख एवं व्याकरण

75 अंक

(क) आगम साहित्य

इकाई एक – आगम साहित्य 15 अंक

1. णायाधम्मकहा (4 एवं 6 अध्ययन) – 7.5 अंक
2. उत्तराध्ययनसूत्र (विनयसुत्तं 1–17 गाथाएं) तथा (रहनेमिज्जं 1 – 49 गाथाएं)– 7.5 अंक

इकाई दो – 15 अंक

वसुनन्दिश्रावकाचार (गाथा 60 से 87 एवं 101से 111तक)

सम्पा. पं. हीरालाल जैन, दिल्ली, अनुवाद एवं समीक्षा

इकाई तीन – 15 अंक

प्राकृत साहित्य समीक्षा

(अर्धमागधी एवं शौरसेनी आगम साहित्य का संक्षिप्त परिचय एवं पठित ग्रन्थों की समीक्षा)

(ख) शिलालेख

इकाई चार – प्राकृत शिलालेख 15 अंक

1. अशोक के 1 से 5 अभिलेखों (गिरनार पाठ) का अनुवाद
2. शिलालेखों पर सामान्य प्रश्न

(प्राकृत के प्रमुख शिलालेखों का परिचय एवं अशोक के अभिलेखों का महत्त्व)

(ग) व्याकरण

इकाई पाँच – 15 अंक

आर्ष प्राकृत व्याकरण

(अर्धमागधी एवं शौरसेनी प्राकृत भाषा की सामान्य विशेषताएं, संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया एवं कृदन्त का सामान्य ज्ञान)

सहायक पुस्तकें :–

1. प्राकृत साहित्य का इतिहास – डॉ. जगदीशचन्द जैन
2. अशोक के अभिलेख – डॉ. भट्ट
3. प्राकृत काव्यसौरभ – संम्पा. डॉ. प्रेम सुमन जैन
4. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. नेमिचन्द शास्त्री
5. प्राकृत भारती – आगम संस्थान, उदयपुर, 1991

बी. ए. द्वितीय वर्ष : प्राकृत साहित्य

द्वितीय प्रश्नपत्र

प्राकृत सट्टक, गद्य एवं प्राकृतीकरण

75 अंक

इकाई एक – प्राकृत सट्टक — 15 अंक

1. कर्पूरमंजरी (राजशेखर) प्रथम जवनिका, सम्पा. डॉ. आर. पी. पोद्दार

इकाई दो – — 15अंक

नाटकों में प्राकृत प्रयोग एवं समीक्षा

(संस्कृत नाटकों में प्राकृत भाषा का प्रयोग, प्राकृत सट्टक साहित्य, कर्पूरमंजरी का मूल्यांकन, कवि राजशेखर आदि पर सामान्य प्रश्न)

इकाई तीन – प्राकृत गद्य — 15 अंक

कहाणयअट्ठगं – 1 मूलदेवकथा, सम्पा. राजाराम जैन , डॉ. चन्द्रदेव राय

इकाई चार – सामान्य प्रश्न — 15 अंक

(पठित प्राकृत ग्रन्थों पर सामान्य प्रश्न तथा प्राकृत गद्य साहित्य की रूपरेखा)

इकाई पाँच – प्राकृतीकरण — 15 अंक

1. स्वर – परिवर्तन के प्रमुख नियम एवं उदाहरण
2. व्यंजन – परिवर्तन के प्रमुख नियम एवं उदाहरण
3. प्राकृत के प्रमुख व्याकरण ग्रन्थों का सामान्य परिचय

सहायक पुस्तकें :–

1. महाकवि राजषेखर, डॉ. श्यामा वर्मा
2. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. नेमिचन्द शास्त्री
3. प्राकृत प्रवेशिका – डॉ. कोमलचन्द जैन
4. कहाणयअट्ठगं – सं. राजाराम जैन, प्राकृत साहित्य परिशद् प्रकाशन, आरा,
5. हेम प्राकृत व्याकरण – शिक्षक – डॉ. उदयचन्द जैन
6. प्राकृत गद्य–सोपान – डॉ. प्रेम सुमन जैन, जयपुर, 1983
7. प्राकृत भारती, आगम संस्थान, उदयपुर, 1991

बी. ए. तृतीय वर्ष : प्राकृत साहित्य
(सामान्य निर्देश)

अ. प्राकृत शिक्षण का माध्यम हिन्दी है। अतः प्रश्न–पत्र हिन्दी में पूछें जायेंगे। परीक्षार्थी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी अथवा अंग्रेजी में लिख सकेंगे।

ब. प्रत्येक इकाई में से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य हैं।

स. प्रश्नों का आन्तरिक विकल्प नई परीक्षा प्रणाली के अनुसार होगा।

द. बी. ए. तृतीय वर्ष में प्राकृत साहित्य में 75–75 अंकों के 3–3 घंटे के दो प्रश्नपत्र होंगे तथा 25–25 अंक प्रत्येक प्रश्न–पत्र में आन्तरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं। परीक्षा प्रश्न–पत्र निम्नांकित दो खण्डों में विभक्त होगा–

खण्ड अ

इस भाग में 45 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। ये प्रश्न विकल्प सहित होंगे।

(45 x1 = 45 अंक)

खण्ड ब

इस भाग में पाँच विवेचनात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से दिये जायेंगे, जिनमें से तीन प्रश्नों के उत्तर परीक्षार्थी को देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300–400 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। इन प्रश्नों में एक प्रश्न के दो भाग भी हो सकते हैं।

(10 x3 = 30 अंक)

बी. ए. तृतीय वर्ष : प्राकृत साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र

प्रतिनिधि प्राकृत काव्य एवं अनुवाद

75अंक

इकाई एक – चरित काव्य 15 अंक

1. आख्यानकमणिकोष (आम्रदेवसूरी) – शिक्षा विवेक , गाथा 1–17
2. सुरसुन्दरीचरियं (धनेश्वरसूरी) – नगर वर्णन, गाथा 1–16

इकाई दो – मुक्तक काव्य 15 अंक

1. वज्जालग्ग (जयवल्लभ) – सज्जन स्वरूप गाथा 1–11
2. गाहासतसई (हाल) – गाथामाधुरी, गाथा 1–16

इकाई तीन – संकलन 15 अंक

1. पउमचरियं (विमलसूरि) – अहिंसक बाहुबली गाथा 1–13
2. समणसुतं–चयनिका – शिक्षानीति गाथा 1–15
3. घटयाल अभिलेख (गाथा 6–20)

इकाई चार – प्राकृत साहित्य समीक्षा 15 अंक

(इस प्रश्नपत्र में पठित प्राकृत ग्रन्थों एवं ग्रन्थकारों के संबंध में सामान्य ज्ञान तथा प्राकृत चरित काव्य एवं मुक्तक काव्य पर 10–10 अंकों के 2 प्रश्न पूछे जायेंगे।)

इकाई पाँच – प्राकृत अनुवाद 15 अंक

(प्राकृत के वर्तमान, भूत एवं भविष्यकाल की क्रियाओं के प्रयोग हेतु 8–10 सामान्य हिन्दी वाक्यों का प्राकृत में अनुवाद करना।) प्राकृत स्वयं शिक्षक (पाठ 1 से 30 तक)

संन्दर्भ पुस्तक :– (1) प्राकृत काव्यमंजरी – डॉ. प्रेम सुमन जैन, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर

(2)प्राकृत स्वयं शिक्षक (पाठ 1 से 30 तक)

सहायक पुस्तकें :–

1. प्राकृत काव्यमंजरी – डॉ. प्रेम सुमन जैन, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर
2. प्राकृत साहित्य का इतिहास – डॉ. जगदीश चन्द्र जैन, वाराणसी।
3. प्राकृत स्वयं शिक्षक (खण्ड – 1) – प्राकृत भारती, जयपुर।
4. प्राकृत मार्गोपदेषिका – पं. बेचरदास दोशी, दिल्ली।

बी. ए. तृतीय वर्ष : प्राकृत साहित्य
द्वितीय प्रश्नपत्र

प्रतिनिधि प्राकृत गद्य पाठ एवं व्याकरण

75 अंक

इकाई एक – प्राचीन ग्रन्थ — 15 अंक

1. उत्तराध्ययनटीका (नेमिचन्दसूरि) – विज्जाविहीणो णस्सई
2. वसुदेवहिण्डी (संघदासगणि) – सिप्पी कोक्कासो

इकाई दो – प्रमुख कथा ग्रन्थ — 15 अंक

1. समराइच्चकहा (हरिभद्रसूरि) – गुणसेण पइ नियाणो
2. कुवलयमालाकहा (उद्योतनसूरि) – मित्तस्स कवडं

इकाई तीन – प्रमुख गद्य संकलन — 15 अंक

1. मनोरमाकहा (वर्धमानसूरि) – चन्दनवाला
2. रयणवालकहा (चन्दनमुनि) – साहु–जीवणं

इकाई चार – प्राकृत गद्य साहित्य एवं जैन धर्म समीक्षा — 15 अंक

(इस प्रश्नपत्र में पठित प्राकृत ग्रन्थों एवं ग्रन्थकारों के तथा जैन धर्म के सम्बन्ध में सामान्य ज्ञान अपेक्षित है।)

इकाई पाँच – — 15 अंक

हेमचन्द प्राकृत व्याकरण सूत्र–विश्लेषण एवं प्राकृत रचना

1. हेमप्राकृतशब्दानुशासन के तृतीय पाद के सूत्र 1 से 30 तक
   (संज्ञा प्रकरण) इनमें से कोई 4 सूत्र देकर उनमें से 2 का हिन्दी अर्थ एवं उदाहरण पूछे जायेंगे। — 7.5 अंक
2. प्राकृत रचना अभ्यास – — 7.5 अंक
   प्राकृत रचना सौरभ – डॉ. के. सी. सोगानी (पाठ 1 से 30 तक)

सहायक पुस्तकें :–

1. प्राकृत गद्य–सोपान – डॉ. प्रेम सुमन जैन, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
2. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ. नेमिचन्द शास्त्री।
3. हेमप्राकृतव्याकरण शिक्षक (खण्ड–1) –डॉ. उदयचन्द्र जैन, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
4. प्राकृत व्याकरण (हिन्दी व्याख्या–भाग–1) – श्री प्यारचन्द महाराज।
5. प्राकृत रचना सौरभ – डॉ. के. सी. सोगानी, अपभ्रंश साहित्य अकादमी, जयपुर।
6. जैनधर्म – पं. कैलाशचन्द्र शास्त्री, मथुरा।